01-04- 2021

चीनी उद्योग से जुड़े 100 स्टार्टअप, बहुउत्पाद की ओर बढ़ रहीं मिलें

10 मई को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

कानपुर, 31 मार्च। चीनी उद्योग से जुड़े देशभर में करीब 100 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं, जोकि चीनी मिलों से निकलने वाले बगास, गुड़ से बिस्किट सहित अन्य प्रोडक्ट तैयार किये जा रहे है। आगामी 10 मई 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आत्मनिर्भर चीनी उद्योग विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ शुगर एक्सपो का भी आयोजन होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने आज संस्थान के बोर्ड हाल में पत्रकारों को दी। बुधवार को एनएसआई के निदेशक संस्थान के निर्देशक ने बताया कि कार्यक्रम में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सचिव सुधांशु पांडेय, संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह समेत महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ व उप्र में स्थित इंस्टीट्यूट व चीनी मिल के 250 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। 8 विशेषज्ञ चीनी मिलो से जुड़े बहुउत्पाद पर चर्चा करेंगे। हब आफ ग्रीन एनर्जी के साथ ही चीनी मिलों से एथेनॉल व बायो सीएसजी बहुत फायदेमंद विकल्प साबित होगा। 10 मई को ही शुगर एक्सपो में 20 कंपनियां अपने तकनीकी पूर्णता के साथ स्टॉल लगायेगी, जिसमें मशीनरी से जुड़े उत्पाद स्वदेशी होंगे। संगोष्ठी में चार-पी यानि प्रोडक्टिविटी, प्रॉसेस, प्रोडक्ट व पॉलिसी पर मंथन होगा, जिसमें देशभर से आये चीनी मिलों के विशेषज्ञ अपना व्याख्यान देंगे। वार्ता के दौरन प्रो. डी स्वेन भी मौजूद रहे।

शुगर एक्सपो का आयोजन, आएंगे चीनी मिलों के 250 प्रतिनिधि

वार्ता करते निदेशक प्रो नरेन्द्र मोहन साथ में प्रो. डी स्वेन।

310 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य

कानपुर, 31 मार्च। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन का कहना है कि देश में चीनी की डिमांड 260 लाख टन की है। जबकि इस वर्ष 310 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है और इस वर्ष 43 लाख टन चीनी निर्यात की तैयारी है, जोकि चीनी मिलो के लिए अच्छा सकेत है।

2030 तक शुद्ध पानी पिलायेगी चीनी मिलें

कानपुर, 31 मार्च। संस्थान के निदेशक ने बताया कि देशभर की चीनी मिलों को वर्ष 2022 तक प्रदूषण में रेड से ऑरेंज कैटेगरी में लाने की तैयारी है। इसके लिए सभी चीनी मिलों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2030 तक चीनी मिलों से शुद्ध पानी मिलेगा।

शर्करा संस्थान में 'शुगर एक्सपो' 10 मई को

कानपुर। आजादी के 75वें वर्ष में 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने 10 मई को 'आत्मनिर्भर चीनी उद्योग' विषयक संगोष्ठी के साथ ही 'शुगर एक्सपो' का आयोजन करना तय किया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि संगोष्ठी में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले,खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय सचिव व संयुक्त सचिव भी भाग लेंगे, जबकि विभागीय केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल संगोष्ठी में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। संगोष्ठी में आत्मनिर्भरता के अतिरिक्त 'वोकल फॉर लोकल' थीम पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे। चीनी उद्योग की आय बढ़ाने पर भी चर्चा की जायेगी। संगोष्ठी का फोकस चार पी यानीप्रोडक्टविटी (उत्पादकता), प्रॉसेस (प्रक्रिया), प्रोडक्ट (उत्पाद) व पॉलिसी (नीति) पर रहेगा। 'शुगर एक्सपो' में देश की प्रतिष्ठित एवं नामचीन कंपनियों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। संगोष्ठी संयोजक प्रो. डी स्वेन ने बताया कि इससे देश भर से आए हुए चीनी उद्योग के प्रतिभागियों को देश में ही उत्पादित स्थानीय (लोकल) उत्पादों की जानकारी मिलेगी। कंम्पनियां अपने प्रमुख उत्पादों को प्रदर्शित करेंगी।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पत्रकारों से वार्ता करते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन। फोटो : एसएनबी

गन्ने के बड़े गुण | नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में छह मई को 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम

गन्ने से हो सकते हैं सौ स्टार्टअप

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। गन्ने से सिर्फ चीनी ही नहीं बनती, इससे सौ तरह के स्टार्टअप शुरू किए जा सकते हैं। चीनी बनने के बाद गन्ने के कचरे और दूसरे अवशेषों से इथेनॉल, बिजली तथा खाने-पीने की चीजें तैयार की जा सकती हैं। इनकी विश्व बाजार में मांग भी है। इन उत्पादों को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में छह मई को होने वाले 'आजादी का अमृत महोत्सव' में प्रदर्शित किया जाएगा।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन और शुगर इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डी. स्वेन ने बुधवार को इंस्टीट्यूट में पत्रकारों को बताया कि अमृत महोत्सव में शुगर एक्सपो भी होगा। इसमें स्वदेशी 20 कंपनियां अपने उत्पाद पेश करेंगी। वोकल फॉर लोकल थीम पर शर्करा उद्योग के विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के माध्यम से यह भी बताया जाएगा कि गन्ने से जुड़े मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे गुड़ की चॉकलेट, डाइटरी फाइबर बिस्कुट, पार्टिकल बोर्ड बनाने के लिए चीनी मिल लगाना जरूरी नहीं है। कच्चे माल को चीनी मिलों से लेकर कहीं भी स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

जानकारी देते एनएसआई के प्रो. डी. स्वेन और निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

20 स्वदेशी कंपनियां भाग लेंगी नेशनल शुगर एक्सपो में

चीनी उद्योग ने तैयार किए 100 से अधिक स्टार्टअप

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

चीनी उद्योग सिर्फ चीनी तक ही सीमित नहीं है। अब इससे जुड़े 100 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। केरल व कोलकाता में भले ही चीनी मिल नहीं हैं लेकिन इससे निकलने वाले बगास व गुड़ से बिस्किट व क्राकरी का उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। यह जानकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दी। कहा, ऐसे ही स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 10 मई को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आत्मनिर्भर चीनी उद्योग विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार कराया जाएगा। जिसका शुभारंभ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल करेंगे।

निदेशक ने बताया कि कार्यक्रम में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सचिव सुधांशु पांडेय, संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह समेत महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ व उप्र में स्थित इंस्टीट्यूट व चीनी मिल के 250 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। आठ विशेषज्ञ बहुउत्पाद पर चर्चा करेंगे। प्रदर्शनी भी लगेगी, जिसमें 20 कंपनियां जिनकी तकनीकी पूर्णता स्वदेशी हैं, स्टॉल लगाकर जानकारी देंगी। इन कंपनियों के उत्पाद विदेशों में भी जाते हैं। सेमिनार में चार पी अर्थात प्रोडक्टिविटी, प्रॉसेस, प्रोडक्ट व पॉलिसी पर मंथन होगा। प्रो. डी स्वेन भी मौजूद रहे।

310 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि देश में चीनी की मांग 260 लाख टन की है। जबकि इस वर्ष 310 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य है, जो लगभग पूरा हो जाएगा। इस वर्ष 43 लाख टन चीनी निर्यात की तैयारी है।

प्रदूषण में रेड से ऑरेंज कैटेगरी में आने की तैयारी

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीनी मिलों को वर्ष 2022 तक प्रदूषण में रेड से ऑरेंज कैटेगरी में लाने की तैयारी है। इसके लिए सभी चीनी मिलों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2030 तक चीनी मिलों से शुद्ध पानी लाने की तैयारी है।

एनएसआइ में होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी और शुगर एक्सपो

जासं, कानपुर: राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) में आत्मनिर्भर चीनी उद्योग विषय पर 10 मई को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें आठ से अधिक लेक्चर आयोजित होंगे, जबकि 250 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। शुगर एक्सपो भी लगेगा, जहां 20 कंपनियों के स्टॉल लगाए जाएंगे। यह जानकारी संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने प्रेसवार्ता में दीं।

जानकारी देते निदेशक प्रो .नरेंद्र मोहन • जागरण

उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो सकते हैं। मंत्रालय के सचिव और संयुक्त सचिव के आने की उम्मीद है। संगोष्ठी में चीनी और गन्ना संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञ अपने व्याख्यान देंगे। संयोजक प्रो. डी स्वैन ने बताया कि संगोष्ठी का फोकस उत्पादकता, प्रक्रिया, उत्पाद और नीति पर रहेगा।